Shyam-Vidya Ayurved P.G. Entrance Coaching Center, Bhopal (M.P.)

UPSC – 2006

By - Dr. N. S. Lodhi (M.D.) Mob. - 09300961664, 09993961427

(1) क्षिप्रोत्थन प्रपाकश्च – निम्नलिखित में से किस एक का विद्रधि लक्षण है ?

(a) अस्थिमज्जापक विद्रधि
(b) वातिक विद्रधि
(c) रक्तज विद्रधि
(d) पैत्तिक विद्रधि

(2) त्वचा के कौन से स्तर में चर्मदल रोग होता है ?

(a) लोहिता
(b) रोहिणी
(c) श्वेता
(d) वेदनी

(3) "पुष्टोऽन्यथा वर्षगणैः कृच्छ्राज्जायेत, नैव" का संदर्भ किससे है ?

(a) गर्भ शोष
(b) लीन गर्भ
(c) वातभिपन्न गर्भ
(d) नैगमेषहत गर्भ

(4) निम्नलिखित ग्रंथो में से किस एक मे देशानुसार सूतिकागार परिचर्या का वर्णन है ?

(a) सुश्रुत संहिता
(b) भाव प्रकाश
(c) काश्यप संहिता
(d) भेल संहिता

(5) नानाप्रकार वेदना रात्रौ प्रादुर्भवन्ति – निम्नलिखित में से किस एक से सम्बंधित है ?

(a) उत्पिष्ट
(b) मज्जानुगत
(c) पिच्चित
(d) विश्लिष्ट

(6) गर्भाशोष के लिए अष्टांग हृदय ने निम्नलिखित संयोजनों में से किस एक को निर्दिष्ट किया है ?

(a) काश्मर्य और मधुक सिद्ध क्षीर
(b) शतावरी और मधुक सिद्ध घृत
(c) गोक्षुर और मधुक सिद्ध घृत
(d) आमलकी और मधुक सिद्ध घृत

www.ayurvedpg.com

(7) "आध्मान वातसम्फुलो दक्ष कक्षौ" – किसका लक्षण है ?
(a) उल्वक रोग
(b) बालशोष
(c) अजगल्लिका
(d) उत्फुल्लिका

(8) शकुनी ग्रह द्वारा दूषित मातृ स्तन्य का स्वाद कैसा होता है ?
(a) लवण + कषाय
(b) कटु + तिक्त
(c) मधुर + कटु
(d) तिक्त + कषाय

(9) "क्षीरालसक" व "नाभिनाल कर्तनजन्य उपद्रवों" में सामान्य उपद्रव क्या है ?
(a) पिण्डलिका
(b) विनामिका
(c) विजृम्भिका
(d) उत्तुण्डिता

(10) "पौगण्ड "अवस्था किससे सम्बद्ध है ?
(a) नवजात
(b) 1 से 5 वर्ष का बालक
(c) 5 से 10 वर्ष बालक
(d) 10 से 15 वर्ष का बालक

(11) "न संतोषं ग्राम्यधर्मेण" किसका लक्षण है ?
(a) अत्यानंदा
(b) अचरणा
(c) अतिचरणा
(d) प्राक्चारणा

(12) किस प्रकार के योनिकन्द का लक्षण "नील पुष्प प्रतीकाशम्" होता है ?
(a) वातज
(b) पित्तज
(c) कफज
(d) रक्तज

(13) "मद्यानिबिडा कन्या प्रजजननाय योनि" – किसका कथन है ?
(a) भाव प्रकाश
(b) हारीत
(c) भेल
(d) काश्यप

www.ayurvedpg.com

(14) वंशलोचन निम्नलिखित में से किसका घटक है ?
(a) तालीशादि चूर्ण
(b) चन्द्रप्रभा वटी
(c) सितोपलादि चूर्ण
(d) उपरोक्त सभी

(15) शुद्ध शिलाजीत की सही जॉच निम्नलिखित में से क्या है ?
(a) वह अग्नि में डालने पर नहीं जलता है।
(b) वह अग्नि में डालने पर धूमयुक्त हो जाता हैं।
(c) वह अग्नि में डालने पर निर्धूम जलता है।
(d) वह अग्नि में डालने पर वाष्पित हो जाता हैं।

(16) गर्भयंत्र निम्नलिखित में से किसके बनाने के लिए उपयुक्त होता है ?
(a) सोमानल ताम्र भस्म
(b) हरताल भस्म
(c) पारद भस्म
(d) कासीस भस्म

(17) शीतगुण निम्नलिखित में से किसमें हैं ?
(a) वायु और कफ
(b) पित्त और कफ
(c) पित्त और वायु
(d) वायु, पित्त और कफ

(18) असत्तमः पश्यति – निम्नलिखित में से किस व्याधि का पूर्वरूपीय अरिष्ट है ?
(a) अपस्मार विषयक
(b) उन्माद विषयक
(c) कुष्ठ विषयक
(d) यक्ष्मा विषयक

(19) "तिन्दुक" किस महाकषाय वर्ग में आता है ?
(a) उदर्द प्रशमन
(b) शूल प्रशमन
(c) शोणित प्रशमन
(d) शीत प्रशमन

(20) निम्नलिखित में से कौन सा एक त्रिविध अपतर्पण में सम्मिलित नहीं है ?
(a) लंघन पाचन
(b) स्तम्भन
(c) दोषावसेचन
(d) लंघन

www.ayurvedpg.com

(21) शरलोमा ऋषि द्वारा निम्नलिखित में से कौन–सा सिद्धान्त या वाद स्थापित किया गया ?
(a) रसवाद
(b) षडधातुवाद
(c) सत्ववाद
(d) प्रजापतिवाद

(22) निम्नलिखित प्रमाणों में से कौन–सा प्रमाण सुश्रुत द्वारा मान्य नहीं है।
(a) युक्ति
(b) आप्तोदेश
(c) अनुमान
(d) प्रत्यक्ष

(23) 'जल्पकल्पतरू' का विवरणकार कौन है ?
(a) जेज्जट
(b) शिवदास सेन
(c) गंगाधर राय
(d) चक्रपाणि

(24) निम्नलिखित में से कौन–सा एक कारण द्रव्य में नहीं है ?
(a) आत्मा
(b) दिशा
(c) इन्द्रिय
(d) तेज

(25) वातनाशक क्वाथ बनाने में शर्करा कितनी मात्रा में डालनी चाहिए ?
(a) षोडशांश
(b) चतुर्थांश
(c) दशांश
(d) अष्टमांश

(26) दो कर्ष की मात्रा कितनी शुक्ति के तुल्य है ?
(a) एक
(b) दो
(c) आधी
(d) चार

(27) कफ स्थानानुपूर्वया निम्नलिखित में से किसके लिये उपयुक्त माना जाता है ?
(a) विषम ज्वर
(b) सन्निपात ज्वर
(c) जीर्ण ज्वर
(d) कफज ज्वर

www.ayurvedpg.com

(28) वाग्भट्टमतानुसार, निम्न में से कौन से व्याधि समूह के लिए अग्नि पुनः स्थापन प्रमुख सिद्धान्त चिकित्सा हैं ?

(a) अर्श, अतिसार, ग्रहणी
(b) ग्रहणी, प्रवाहिका, अलसक
(c) अलसक, विलंबिका ग्रहणी
(d) परिणामशूल, अजीर्ण, ग्रहणी

(29) सूची –I को सूची – II के साथ सुमेलित कर और नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए –

सूची –I (दोषावस्था)	सूची –II (चिकित्सा)
A. अल्पावस्था	1. दोषावसेचन
B. मध्यमावस्था	2. लंघन
C. प्रभुतावस्था	3. लंघन–पाचन
D. लीनावस्था	4. स्नेहन–स्वेदन

कूट :–

	A	B	C	D
(a)	2	3	1	4
(b)	1	4	2	3
(c)	2	4	1	3
(d)	1	3	2	4

(30) वमन कर्म में निम्नलिखित में से कौन– सी श्रेष्ठ मानी जाती है।

(a) मानिकी शुद्धि
(b) वैगिकी शुद्धि
(c) लैंगकी शुद्धि
(d) अन्तकी शुद्धि

(31) सूची –I को सूची –II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए –

सूची –I (व्याधि)	सूची –II (श्रेष्ठ द्रव्य)
A. पाण्डु	1. खदिर
B. कुष्ठ	2. लौह भस्म
C. कृमि	3. हरिद्रा
D. प्रमेह	4. विडंग

कूट : –

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	2	1	4	3
(c)	4	1	2	3
(d)	2	3	4	1

www.ayurvedpg.com

(32) सूची –I को सूची –II के साथ सुमेलित करते हुए सही उत्तर चुनिए –

सूची –I (संसर्ग दोष)	सूची –II (शमन द्रव्य)
A. वात कफ	1. कोकिलाक्ष
B. वात पित्त	2. मधु
C. कफ पित्त	3. घृत
D. वातरक्त	4. तैल

कूट : –	A	B	C	D
(a)	3	2	4	1
(b)	4	1	3	2
(c)	3	1	4	2
(d)	4	3	2	1

(33) "स्पर्शासाहत्व" किस शिरोरोग का नैदानिक लक्षण है ?
(a) वातिक शिरोरोग
(b) रक्तज शिरोरोग
(c) कृमिज शिरोरोग
(d) पित्तज शिरोरोग

(34) "अर्जुन" नेत्र रोग की चिकित्सा कौन –सी है ?
(a) छेद्य
(b) भेद्य
(c) लेख्य
(d) अशस्त्र कृत्य

(35) प्रसाद अंजनवर्ती का किस मात्रा में प्रयोग होता है ?
(a) 1 हरेणु
(b) 1½ हरेणु
(c) 2 हरेणु
(d) 2½ हरेणु

(36) 'दाह तोदवती ताम्रा" पिड़का क्या है ?
(a) कुम्भिका
(b) अंजननामिका
(c) पोथकी
(d) उत्संगिनी

(37) "सूची पाश न पश्यति" किस पटलगत तिमिर का नैदानिक लक्षण है ?
(a) प्रथम पटल
(b) द्वितीय पटल
(c) तृतीय पटल
(d) चतुर्थ पटल

www.ayurvedpg.com

(38) "पीड़नासहिष्णुता चोष पाको" निम्नलिखित में से किस व्याधि का लक्षण है ?
(a) त्वकगत शल्य
(b) मांसगत शल्य
(c) अस्थिविवरगत शल्य
(d) स्नायुगत शल्य

(39) सुश्रुत मतानुसार निम्नलिखित में से कौन–सा यंत्र कर्म हैं ?
(a) छेदन
(b) ऐषण
(c) भेदन
(d) कोई नही

(40) "प्रसवोत्सुका" के नैदानिक लक्षण लगभग किसके समान है ?
(a) आसन्न प्रसवा
(b) उपस्थित प्रसवा
(c) अकाल प्रसवा
(d) प्रजायनी

(41) निम्नलिखित में से किसके अनुसार पुरूष का स्त्री स्वर और स्त्री का पुरूष स्वर होने का कारण गर्भव्यापत्ति हैं ?
(a) भेल
(b) हारित
(c) भावमिश्र
(d) शारंर्गधर

(42) पन्चेन्द्रिय विवर्धन हेतु काश्यप द्वारा वर्णित तैल का नाम क्या है ?
(a) कुष्ठ तैल
(b) पंचभौतिक तैल
(c) राज तैल
(d) अणु तैल

(43) सूची –I को सूची –II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए –

सूची –I (मृतिका रस)	सूची –II (दोष प्रकार)
A. कषाय	1. कफ
B. ऊषर (क्षार युक्त)	2. पित्त
C. मधुर	3. वात

कूट : –

	A	B	C
(a)	3	2	1
(b)	2	3	1
(c)	1	2	3
(d)	2	1	3

www.ayurvedpg.com

(44) सूंघने की शक्ति का ह्रास निम्नलिखित में से किसमें होता है ?
(a) रक्तज प्रतिश्याय
(b) अपीनस
(c) दुष्ट पीनस
(d) सभी

(45) मुढ़ गर्भ की गति'' अवांगमुख एवं पार्श्वापवृत्त'' का वर्णन निम्नलिखित में से कौन से ग्रंथ में है। (मा.नि. 64/4–5)
(a) चरक संहिता
(b) सुश्रुत संहिता
(c) अष्टांग हृदय
(d) माधव निदान

(46) इंन्दु के अनुसार ''रेखास्वरूपपस्त्वक संकोच'' लक्षण किसका है ?
(a) पीनोन्नत पयोधरा
(b) किक्किस
(c) गुल्म
(d) शोफ

(47) कर्णवेधन के समय मर्मरिका शिरावेध का उपद्रव क्या है ?
(a) मन्यास्तम्भ
(b) अपनातक
(c) ग्रंथि उत्पत्ति
(d) उपर्युक्त सभी

(48) चरक के अनुसार 12 वर्ष की आयु में निरूह बस्ति की मात्रा क्या होनी चाहिए ?
(a) 4 प्रसृत
(b) 5 प्रसृत
(c) 6 प्रसृत
(d) 8 प्रसृत

(49) अष्टांग हृदय के अनुसार दूध छुड़ाने के लिए स्तन्य अपनयन काल कौन सा है ?
(a) प्रथम दन्तोत्पत्ति के बाद
(b) दो साल के बाद
(c) अन्नप्राशन के बाद
(d) उपवेशन के बाद

(50) निम्नलिखित प्रकार के प्रमेहों में से किसके लिए ''अस्नादि अयस्कृति'' विशेष कर निर्दिष्ट है ?
(a) उदकमेह
(b) क्षारमेह
(c) वातज प्रमेह
(d) कालमेह

www.ayurvedpg.com

(51) ऊध्वर्गत रक्तपित्त के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधन कर्म कौन सा हैं ?
(a) वमन
(b) विरेचन
(c) वमन और विवेचन दोनों
(d) रक्तमोक्षण

(52) एक रोगी महारूजा सहिता उदर में अश्मवत घन उन्नत पिण्ड से ग्रस्त हैं उसका निदान क्या है ?
(a) रक्तज गुल्म
(b) अर्बुद
(c) त्रिदोषज गुल्म
(d) प्लीहोदर

(53) एकतस्तानी सर्वाणि रक्तमोक्षण मेकतः – निम्न रोगों में से किसकी चिकित्सा के लिए विशेष रूप से निर्दिष्ट हैं ?
(a) विसर्प
(b) रक्तपित्त
(c) वातरक्त
(d) कुष्ठ

(54) चरक मतानुसार समसन्निपात ज्वर में निम्नलिखित में से किस दोष की सबसे पहले चिकित्सा करना चाहिए ?
(a) वात
(b) पित्त
(c) कफ
(d) रक्त

(55) शिलाजीत सेवन की उत्तम मात्रा क्या है ?
(a) 1 तोला
(b) 2 तोला
(c) 3 तोला
(d) 4 तोला

(56) सुश्रुत मतानुसार सन्निपातिक अतिसार में किस दोष की सबसे पहले चिकित्सा करनी चाहिए ?
(a) वात
(b) पित्त
(c) कफ
(d) रक्त

(57) नित्यमेव विरेचनम् – निम्नलिखित में से किसकी चिकित्सा के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हैं ?
(a) कामला
(b) जलोदर
(c) तमक श्वास
(d) रक्तपित्त

www.ayurvedpg.com

(58) "शिशु भैषज्या" निम्नलिखित में से किस एक का पर्याय है ?

(a) अतिबला
(b) नागरमोथा
(c) आमलकी
(d) अतिविषा

(59) सूची –I को सूची –II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए –

सूची –I (व्याधि)	सूची –II (श्रेष्ठ औषध)
(A) शुष्क	1. चित्रक
(B) स्रावी अर्श	2. वासा
(C) अम्लपित्त	3. लशुन
(D) गुल्म	4. भल्लातक
	5. वत्सक त्वक्

कूट : –

	A	B	C	D
(a)	4	5	2	3
(b)	3	5	1	2
(c)	2	1	3	4
(d)	3	5	1	4

(60) सूची –I को सूची –II के साथ सुमेलित कीजिए और नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए –

सूची –I (कुष्ठ में निष्पादन करने वाला कर्म)	सूची –II (निष्पादन की अवधि /अन्तराल)
A. वमन	1. तीन दिन
B. विरेचन	2. सात दिन
C. रक्तमोक्षण	3. पन्द्रह दिन
D. वातिक गुल्म	4. एक माह
	5. बर्ष में दो बार

कूट : –

	A	B	C	D
(a)	4	3	5	1
(b)	4	3	2	5
(c)	3	4	5	1
(d)	3	4	2	5

(61) निम्नलिखित प्रकार के ज्वरों में से किस एक के लिए लघु मालिनी बसंत का प्रयोग किया जाता है ?

(a) विषम ज्वर
(b) सन्निपात ज्वर
(c) तरूण ज्वर
(d) जीर्ण ज्वर

www.ayurvedpg.com

(62) "तत्राम्ल वर्ग शमनः सर्पि मधुक संयुतः। तिल कल्कः समधुको घृताक्तों व्रणरोपणः।" – किसके संबंध में वर्णित हैं ?
(a) अतिदग्ध चिकित्सा
(b) क्षारदग्ध व्रण चिकित्सा
(c) सद्योव्रण चिकित्सा
(d) दुष्टव्रण चिकित्सा

(63) उपदंश में निम्नलिखित में से किस प्रकार में कृमि की उत्पत्ति होती है।
(a) वातज
(b) पित्तज
(c) कफज
(d) कोई नहीं

(64) शूकदोष और उसके लक्षणों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन – सा एक युग्म सही सुमेलित नहीं है।
(a) कुम्भिका – जाम्बवास्थिनिभ
(b) उत्तमा – मुद्गभाषोपमा
(c) शोणितार्बुद – उग्रवस्तिरूज
(d) तिलकालक – आगारधूमाज्जननिभ

(65) यकृतवर्ण और शीघ्रपायनी निम्नलिखित में से कौन से जलौका के लक्षण हैं ?
(a) सामुद्रिका
(b) कपिला
(c) मूषिका
(d) शंकुमुखी

(66) सुश्रुत मतानुसार जिह्वा का उत्पत्ति किससे होती हैं ?
(a) रक्त, कफ, पित्त, वात
(b) मांस, रक्त, मेद
(c) मांस, रक्त, पित्त, वात
(d) कफ, शोणित, मांससार

(67) स्थगिका बंध का प्रयोग कहॉ होता हैं ?
(a) शिश्नाग्र
(b) हनु, शंख, गण्ड प्रदेश
(c) पृष्ठ, उदर
(d) मूर्धा

(68) निम्न में से कौन–सा सम्यक्दग्ध का लक्षण है ?
(a) अलाबू वर्ण
(b) तालफल वर्ण
(c) मांसावलम्बन
(d) तीव्र स्फोट

www.ayurvedpg.com

(69) स्थूलाणु समविषमपालि के लिए कौन–सा बंध प्रयुक्त होता है ?
(a) उत्पलभेद्यक
(b) गण्डकर्ण
(c) निर्बेधिम
(d) व्यायोजिम

(70) निम्नलिखित में से कौन से भाग में व्रण दुशचिकित्स्य हैं ?
(a) पृष्ठ
(b) फलकोष
(c) नितम्ब
(d) ललाट

(71) सुश्रुतमतानुसार निम्नलिखत में से कौन सा रक्तज अधिमंथ का एक लक्षण है ?
(a) शिशिराश्रुता
(b) ताम्यति
(c) पांशुपूर्णभिवाविलम्
(d) यकृत पिण्डोपम्

(72) निम्नलिखित में से कौन – सा एक चन्द्रोदय वर्ति का घटक नहीं है ?
(a) वचा
(b) पिप्पली
(c) रसान्जन
(d) मरिच

(73) सिंघाणक के समान स्राव निम्नलिखित में से किस एक में होता हैं
(a) स्नायुगत व्रण
(b) मासंगत व्रण
(c) अस्थिगत व्रण
(d) त्वक्गत व्रण

(74) क्षिप्रोत्थान प्रश्नः निम्नलिखित में से कौन–सी व्याधि का लक्षण है ?
(a) वातिक शोफ
(b) पैत्तिक शोफ
(c) वातपित्तज शोफ
(d) सन्निपातिक शोफ

(75) निम्नलिखित में से कौन–सा द्रव्य षडूषण वर्ग का नहीं हैं ?
(a) यवानी
(b) चित्रक
(c) पिप्पली
(d) मरिच

www.ayurvedpg.com

(76) शारंर्धर मतानुसार प्रमथ्या का उपयोग निम्नलिखित में से किस रोग में करना चाहिए ?
(a) ग्रहणी
(b) प्रवाहिका
(c) अतिसार
(d) ज्वर

(77) वर्षा ऋतु में किन महाभूतों की प्रधानता होती हैं ?
(a) वायु + पृथ्वी
(b) वायु + अग्नि
(c) पृथ्वी + अग्नि
(d) पृथ्वी + जल

(78) निम्नलिखित में से कौनसा श्रेष्ठ कर्म अनन्ता का है।
(a) सांग्रहिकदीपनीयवातकफप्रश्मनानाम्
(b) दीपनीयपांचनीयानाहप्रशमनानाम्
(c) सांगहिकवातहरदीपनीयश्लेष्मशोणितविवन्धप्रश्मनानाम्
(d) सांग्रहिकरक्तपित्तप्रशमनानाम्

(79) वैशेषिक दर्शन में संयोग को कितने प्रकार का बताया गया है।
(a) दो
(b) तीन
(c) चार
(d) पांच

(80) निम्नलिखित में से कौन सा रस पित्त को प्रकुपित नहीं करता है ?
(a) कटु
(b) लवण
(c) तिक्त
(d) अम्ल

(81) चरक मतानुसार निम्नलिखित द्रवयों में कौन सा एक वर्ण्य वर्ग में सम्मिलित नहीं है ?
(a) चंदन
(b) उशीर
(c) क्षीरविदारी
(d) हरिद्रा

(82) निम्नलिखित में से कौन सा द्रव्य वातकोपक के रूप में कार्य नहीं करता है ?
(a) मुद्ग
(b) करीर
(c) चणक
(d) माष

www.ayurvedpg.com

(83) दीपनीय औषधि के लिए श्रेष्ठ औषध सेवन काल कौन सा है ?

(a) भोजनोपरांत
(b) भोजन के पूर्व
(c) भोजन के मध्य
(d) भोजन के साथ

(84) तृण पंचमूल में कोन से पांच द्रव्य है ?

(a) कुश, कास, उशीर, इक्षु, नल
(b) कुश, कास, नल, दर्भ, काण्डेक्षुक
(c) कुश, दर्वा, उशीर, पटोल पत्र, जम्बुपत्र
(d) उशीर, कुश, कास, दूर्वा, इक्षु

(85) शास्त्रों में शीत कषाय की कितनी मात्रा वर्णित हैं।

(a) एक पल
(b) अर्ध पल
(c) दो पल
(d) चार पल

(86) निम्नलिखित समूहों में से किससे पित्त शामक संघटित होता है।

(a) तिक्त, कटु, अम्ल
(b) मधुर, कषाय, लवण
(c) कषाय, तिक्त, मधुर
(d) लवण, अम्ल,कटु

(87) कषाय निम्नलिखित में से किसका पर्याय है ?

(a) क्वाथ
(b) निर्यूह
(c) फाण्ट
(d) निर्जला

(88) पित्त की विदग्धावस्था में कौन से रस की प्रधानता है ?

(a) कटु रस
(b) अम्ल रस
(c) लवण रस
(d) तिक्त रस

(89) धमनी शैथिल्य निम्नलिखित में से किसका लक्षण है ?

(a) रक्तधातु क्षय
(b) रस धातु क्षय
(c) मांस धातु क्षय
(d) मेद धातु क्षय

www.ayurvedpg.com

(90) केश और रोम किस धातु के मल है ?
(a) अस्थि
(b) मेद
(c) मज्जा
(d) मांस

(91) ताप नियंत्रण केन्द्र कहॉ स्थित होता है ?
(a) अधश्चेतक (हाइपौथेलेमस)
(b) अनुमस्तिक
(c) प्रमस्तिष्क
(d) प्रमस्तिष्क वल्कुट

(92) निम्नलिखित में से कौन से प्रकार का वात प्रयत्न और ऊर्जा कर्म करता है ?
(a) अपान वात
(b) प्राण वात
(c) व्यान वात
(d) उदान वात

(93) सुश्रुतमतानुसार त्वचा की कितनी पटल होती है ?
(a) दो
(b) चार
(c) पॉच
(d) सात

(94) हरताल का शोधन कैसे किया जाता है ?
(a) चूर्णोदक से
(b) हंसोदक से
(c) उष्णोदक से
(d) गंधकाल से

(95) रसकर्पूर के बनाने में निम्नलिखित में से किसका प्रयोग होता है ?
(a) गंधक द्रुति
(b) शोधित गंधक
(c) मारित गंधक
(d) गंधकाम्ल

(96) वंग, यशद एवं नाग निम्नलिखित में से किस नाम के द्वारा जाने जाते है ?
(a) शुद्ध लौह
(b) मिश्र लौह
(c) पूती लौह
(d) दिव्य लौह

www.ayurvedpg.com

(97) सूची –I को सूची –II के साथ सुमेलित कीजिए और सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए –

सूची –I	सूची –II
(A) चन्द्रप्रभावटी	1. कुष्ठ
(B) रसमाणिक्य	2. फिरंग
(C) रस कर्पूर	3. ग्रहणी
(D) वातिक गुल्म	4. मधुर रस

कूट –

	A	B	C	D
a)	4	1	2	3
b)	2	3	4	1
c)	4	3	2	1
d)	2	1	4	3

(98) निम्नलिखित में से कौन सा पारद योग के सेवन काल में निषिद्ध है ?

(a) विदारीदि गण
(b) त्रिफला
(c) ककारादि गण
(d) जीवनीय गण

(99) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए –

(a) सारस्वतरिष्ट में स्वर्ण होता है
(b) रसमाणिक्य में हरताल होता है

उपर्युक्त कथनों में से कौन – सा एक सही है ?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) दोनो 1 और 2
(d) न ही 1 और न ही 2

(100) निम्नलिखित कथनों में से कौन–सा एक सही है ?

(a) गुरू विपाक पित्तवर्धक, शुक्रवर्धक व सृष्टविण्मूत्रल होता है।
(b) अम्ल विपाक पित्तवर्धक, शुक्रनाशन व सृष्टविण्मूत्रल होता है।
(c) अम्ल विपाक वातपित्तवर्धक, शुक्राशन व बद्धविण्मूत्रल होता है।
(d) लघु विपाक वातपित्तघ्न, शुक्रवर्धक व बद्धविण्मूत्रल होता है।

(101) भावप्रकाश निघण्टु में द्रव्य में लिए "सिन्धुवारसदृश पत्रो तथा यत्पार्श्वे न तरोर्वृद्धिः" का वर्णन किया गया है। उस संदर्भ में वह द्रव्य कौन –सा है ?

(a) अतिविषा
(b) प्रतिविषा
(c) वत्सनाभ
(d) कुपीलु

www.ayurvedpg.com

(102) 'देशकाल वयोमानपाकवीर्यरसदिषु' का उल्लेख निम्नलिखित में से किसके सम्बंध में किया गया है ? (च.सू.26/31)

(a) युक्ति
(b) संख्या – संयोग
(c) संयोग –विभाग
(d) परत्व – अपरत्व

(103) कफज व्याधि में रसों के प्रयोग के लिए काश्यप के अनुसार निम्नलिखित में से कौन–सा सही अनुक्रम है ?

(a) तिक्त – कटु – कषाय
(b) कषाय – तिक्त – कटु
(c) कटु– तिक्त – कषाय
(d) कटु – कषाय – तिक्त

(104) कथन 'षड द्रव्याश्रितं च कर्म'' निम्नलिखित में से किससे सम्बद्ध है ?

(a) चरक
(b) सुश्रुत
(c) लघु वाग्भट्ट
(d) वृद्ध वाग्भट्ट

(105) मधुर त्रिफला में स्वल्प त्रिफला के परूषक के स्थान पर निम्नलिखित में से कौन सा द्रव्य समाविष्ट किया जाता है

(a) खर्जूर
(b) द्राक्षा
(c) काश्मर्य
(d) जातीफल

(106) निम्नलिखित में से कौन– सा शोफ को उत्पन्न करता है ?

(a) पिण्याक
(b) सुरा
(c) दधि
(d) माषसूप

(107) भावप्रकाश निघण्टु के अनुसार रसोन का तिक्त रस निम्नलिखित में से किसमें पाया जाता जाता है ?

(a) मूल
(b) पत्र
(c) नाल
(d) बीज

(108) गुडूची निम्नलिखित में से किसके साथ वात का शमन करती है ?

(a) गुड
(b) मधु
(c) शुण्ठी
(d) घृत

www.ayurvedpg.com

(109) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए। उपर्युक्त कथनों में से कौन –सा/से सही है/हैं?

1. योनि रोगो में विरेचक लाभप्रद होते है।
2. योनि रोगों में से दुग्ध लाभप्रद होते हैं
3. योनि रोगों में नस्य लाभप्रद होता है।

(a) केवल 1
(b) 1 और 2
(c) 1 और 3
(d) 3 और 4

(110) निम्नलिखित पर विचार कीजिए –

1. मधुयष्टी, दारूहरिद्रा, ताम्रचूर्ण
2. चक्षुष्य, पुष्पक, माता,
3. रोचना, रसांजन, कतक
4. ऐला, रसौंत, कतक

काश्यप मतानुसार उपर्युक्त में से कौन से द्रव्यवर्ग चक्षुष्य औषध है ?

(a) मधुयष्टी, दारूहरिद्रा, ताम्रचूर्ण
(b) चक्षुष्य, पुष्पक, माता
(c) रोचना, रसांजन, कतक
(d) ऐला, रसौंत, कतक

(111) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए ।

1. एकनेत्रस्य गात्रस्यस्रावः
2. चलितैकपक्ष्मनेत्र
3. वैकल्यं मरणं वा भवेदध्रुवम
4. हस्तभ्रूतादनर्तनम

उपर्युक्त कथनों में से स्कन्द गृह से सम्बन्धित है/हैं ?

(a) केवल 1, 2 और 4
(b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 3 और 4
(d) 1, 2, 3 और 4

(112) योनिमणुद्वार कौन से योनिव्यापद का लक्षण है ?

(a) षण्डी
(b) सूचीवक्त्रा
(c) वामिनी
(d) अर्न्तमुखी

(113) उदरीय पीडा जो केवल आहार पाचन काल में वर्धमान होती है, निम्नलिखित रोगों में से किसका लक्षण है ?

(a) वातज शूल
(b) पित्तज शूल
(c) परिणाम शूल
(d) अन्नद्रव शूल

www.ayurvedpg.com

(114) चरक मतानुसार सितोफलादि चूर्ण निम्नलिखित में से किसके लिए निर्दिष्ट है ?
(a) कास
(b) श्वास
(c) राजयक्ष्मा
(d) सभी

(115) आमवात से ग्रस्त स्थूल रोगी के लिए कौन–सा गुग्गुलु निर्दिष्ट है ?
(a) गोक्षुरादि गुग्गुलु
(b) योगराज गुग्गुलु
(c) त्रिफला गुग्गुलु
(d) कैशोर गुग्गुलु

(116) वृश्चिकवत् शूल निम्नलिखित में से कौनसे रोग का एक लक्षण है ?
(a) वातरक्त
(b) सन्धिवात
(c) आमवात
(d) आढयवात

(117) निम्नलिखित में से कौन सा रस समूह पित्त शामक के रूप में कार्य करता है ?
(a) कषाय, तिक्त, मधुर
(b) कटु, तिक्त, कषाय
(c) कषाय, तिक्त, अम्ल
(d) मधुर, अम्ल, लवण

(118) वमनोपयोगी द्रव्यों में निम्नलिखित में से कौन से महाभूत की प्रधानता होती है ?
(a) पृथ्वी + तेज
(b) वायु + आकाश
(c) अग्नि + आकाश
(d) अग्नि + वायु

(119) त्रिदोष के लिए शोधन व शमन सर्वोत्तम चिकित्सा के लिए निम्नलिखित में से सही अनुक्रम कौन सा है ?
(a) वमन, विरेचन, बस्ति एवं मधु, घृत, तैल
(b) विरेचन, वमन, बस्ति एवं घृत, मधु, तैल
(c) बस्ति, विरेचन, वमन एवं तैल, घृत, मधु
(d) वमन, बस्ति, विरेचन एवं मधु, तैल, घृत

(120) सुश्रुत–वाग्भट्ट मतानुसार पंचकर्म के प्रधान कर्मो का निम्नलिखित में से सही अनुक्रम कौन सा है ?
(a) वमन, विरेचन, निरूह बस्ति, अनुवासन बस्ति, नस्य
(b) वमन, विरेचन, नस्य, निरूह बस्ति, अनुवासन बस्ति
(c) वमन, विरेचन, बस्ति, नस्य, रक्तमोक्षण
(d) वमन, विरेचन, नस्य, रक्तमोक्षण, बस्ति

www.ayurvedpg.com

Shyam-Vidya Ayurved P.G. Entrance Coaching Center, Bhopal (M.P.)

UPSC – 2006

By- Dr. Neelima Singh Lodhi (M.D.) Mob. - 09826438399, 09993961427

(Answer Sheet) – UPSC Ayurveda M.O. Entrance Test - 2006					
1. D	21. C	41. A	61. D	81. D	101. C
2. C	22. A	42. B	62. B	82. D	102. D
3. B	23. C	43. A	63. D	83. B	103. C
4. C	24. C	44. D	64. D	84. B	104. C
5. A	25. B	45. D	65. D	85. C	105. B
6. A	26. A	46. B	66. D	86. C	106. B
7. D	27. B	47. C	67. A	87. B	107. B
8. B	28. A	48. C	68. B	88. B	108. D
9. C	29. A	49. A	69. D	89. C	109. B
10. C	30. D	50. C	70. C	90. A	110. C
11. A	31. B	51. B	71. B	91. A	111. B
12. C	32. D	52. C	72. C	92. D	112. B
13. D	33. B	53. A	73. A	93. D	113. C
14. D	34. D	54. C	74. C	94. A	114. D
15. C	35. B	55. D	75. A	95. D	115. C
16. A	36. B	56. B	76. C	96. C	116. C
17. A	37. B	57. B	77. C	97. A	117. A
18. A	38. B	58. D	78. D	98. C	118. D
19. A	39. B	59. A	79. B	99. C	119. C
20. B	40. D	60. C	80. C	100. B	120. C

www.ayurvedpg.com